# राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन से जुड़ेंगी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं

## योजना के तहत समूह की महिलाओं को एक लाख से पांच लाख तक का मिलेगा ऋण

# राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन से जुड़ेंगी समूह की महिलाएं

- व्यवसाय के लिए मिलेंगे एक-पांच लाख रु तक
- 66 महिलाओं को ऋण दिलाने का लक्ष्य

**प्रतिनिधि, गिरिडीह**

राष्ट्रीय शहरी ग्रामीण आजीविका मिशन से स्वयं सहायता समूह की महिलाएं जुड़ेंगी. पिछले वित्तीय वर्ष में 37 महिलाओं को ऋण दिलाकर व्यवसाय शुरू कराया गया था. चालू वित्तीय वर्ष में 66 महिलाओं को ऋण दिलाने का लक्ष्य रखा गया है. समूह की महिलाओं से आवेदन लेकर संबंधित बैंकों को भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है. योजना के तहत समूह की महिलाओं को एक से पांच लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जायेगा. प्रावधान यह है कि महिलाएं बीपीएल परिवार से जुड़ी और किसी ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी हों. ऐसी महिलाओं को अगरबत्ती, मोमबत्ती व चूड़ी निर्माण, बकरी, सुकर व गाय पालन, मशरूम उत्पादन, कालीन बनाई महिलाओं को ऋण उपलब्ध कराने का प्रयास हो रहा है. प्रखंडों से आवेदन पत्र मंगाया गया है. आवेदनों की जांच के बाद संबंधित बैंकों को भेजा जा रहा है. एक समूह में 10 महिलाएं होती हैं. आवेदन के

### बचत की आदत डालें महिलाएं, तभी होगा लाभ : एलडीएम

एलडीएम एचएन सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं बचत की आदत डालें, तभी उन्हें लाभ होगा. एनयूएलएम के तहत महिलाओं को जीवन कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जा चुका है. अब इन्हें ऋण दिलाने की प्रक्रिया जारी है. ऋण लेकर महिलाएं अपना व्यवसाय शुरू करेंगी. इससे उनका परिवार खुशहाल होगा. चालू वित्तीय वर्ष में सरकार ने 66 महिला समूह को ऋण देने का लक्ष्य निर्धारित किया है. संबंधित बैंकों के बीच इसका बंटवारा भी कर दिया गया है.

**नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार**

Toll free no.: 1800-120-2929 | Website : www.dmajharkhand.in | Follow us on : @JharkhandDMA